Date:—
Page:

Q.3)
Ans. वायु प्रदूषण :- शुद्ध वायु के कणों में अपशिष्ट वायु के कणों का मिल जाने से वह वायु प्रदूषित हो जाती है। ऑक्सीजन के कणों में नाइट्रोजन या अन्य जहरीली गैसें के मिश्रण होने वायु का वह कण प्रदूषित हो जाते हैं। यही वायु का प्रदूषण कहलाता है।

कारक :- वायु प्रदूषण फैलने के कई कारक है जिनमें उद्योग-धंधों के जहरीले धुएं व गैसे शामिल है। उद्योगों में से निकलने वाले जहरीले गैसे के कण वायु मिल कर उसे प्रदूषित करते है तथा वाहनों का धुआं व लकड़ी जलने से निकला धुआं इत्यादि सभी इसी के कारक है।

प्रभाव :- वायु प्रदूषण के कई दुष्प्रभाव भी पड़ते हैं जैसे सांस लेने में दिक्कत व सांस द्वारा जहरीली गैस के लेने से शरीर के अन्दर उत्पन्न कैंसर जैसे रोग आदि। वायु प्रदूषण ऐसे व्यक्ति को भी संक्रमित कर देगा जिसे कोई बीमारी ही नहीं है।

नियंत्रण :- वायु प्रदूषण पर नियंत्रण केवल औद्योगिक क्षेत्र में eco freindly औद्योग लगा के हो सकता है तथा वाहनों को ज्यादातर CNG या electric करने पर भी नियंत्रण हो सकता है तथा Plastic इत्यादि व लकड़ी को कम से कम जलाना चाहिए।